

एक निवेदन

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के संस्थापक पूज्य पं० मदन मोहन मालवीय जी के शिक्षा दर्शन एवं उनके जीवन आदर्शों से प्रेरित होकर 'मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र' का उद्घाटन सन् 1991 में हुआ। इस केन्द्र का उद्देश्य है—उच्च शिक्षा से जुड़े आज के प्रबुद्धजनों की मूल्य चेतना का उदात्तीकरण। आज हम भारत को एक उत्तम गौरवशाली देश के रूप में विकसित करने के लिए नाना प्रकार के प्रयास आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में कर रहे हैं, परन्तु वास्तविक सामाजिक, मानवीय प्रगति के लिए इन सभी प्रयासों का आधार नैतिक एवं मानवीय मूल्य ही हो सकते हैं। इस भावना से प्रेरित होकर यह केन्द्र विभिन्न मूल्य आधारित कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है।

इन कार्यक्रमों से उत्पन्न मूल्यगत विचारों का विस्तार करने के लिए 'मूल्यविमर्श' शोध पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है, जिसका ISSN 0976-3694 है। हम चाहते हैं यह पत्रिका मूल्यों के प्रति चिंतित एवं सचेत जनों के बीच विचार—विमर्श का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरे। हम आपका आह्वान करते हैं कि इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपने विचारों एवं अनुभवों को लेखबद्ध करके पत्रिका में प्रकाशन हेतु हमें भेजे।

निम्नांकित बिन्दुओं पर आधारित लेखों का हम स्वागत करते हैं—

- आज के जीवन से जुड़े मूल्यगत प्रश्नों पर नवीन चिन्तन।
- समसामयिक, राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक गतिविधियों का मूल्यों की दृष्टि से विश्लेषण।
- ऐसे प्रेरणादायक संस्मरण, विचार जो यह संदेश देते हों कि कैसे नैतिक एवं मानवीय मूल्यों के आधार पर हम एक सुखी, सफल, सार्थक जीवन जी सकते हैं तथा कैसे एक सभ्य मानवोचित समाज की रचना में योगदान कर सकते हैं।
- इस शोध पत्रिका के लिए हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लेख स्वीकार किये जायेंगे।

लेखकों से अनुरोध है कि कृपया अपने लेख 5000 से 10,000 की शब्द सीमा में लिखें। **हिन्दी के लेख 'ए.पी.एस. प्रियंका रोमन' फॉन्ट** में तथा **अंग्रेजी के लेख Times New Roman** में टाइप करा कर साफ्ट कॉपी और हार्ड कॉपी कार्यालय में उपलब्ध कराने की कृपा करें।

कार्यालय— मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र
श्यामा चरण डे निवास
मालवीय भवन संकुल
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
वाराणसी-221005